## Answer-no-7

**बायलर :-** बायलर या भाप जनित्र वह युक्ति है जिसमें ईंधन दहन के पश्चात उपजी उष्मा को बायलर टैंक के जल को अन्तरित करके, उच्च दाब व ताप पर वाष्प पैदा की जाती है।

बायलर एक ऐसा पात्र होता है जिसकी क्षमता कम से कम 10 गैलन से अधिक हो और जिसका उपयोग शुद्धतापूर्वक वाष्प उत्पादन के लिए किया जाता है।

**कॉकरन बायलर (Cochran Boiler) :-** कॉकरन बायलर एक बड़े बेलनाकार खोल के समान एवं गुम्बदनुमा आकृति का होता है इस गुम्बदनुमा आकृति के सबसे ऊपर उष्मा को चिमनी द्वारा वायुमण्डल में निकलने की व्यवस्था होती है इसका शीर्ष अर्द्ध गोलीय आकार का होता है खोल के निचले भाग पर भट्ठी होती है। इसमें राख गर्त तथा जाली बनी है दग्ध गैसों की उष्मा अग्नि - नालियों को अन्तरित की जाती है जिससे खोल में भरा पानी गर्म होता है और भाप बनती है रोक - वाल्व के द्वारा खोल के अर्द्ध-शीर्ष भाग में भाप एकत्र हो जाती है चिमनी में एक डैम्पर लगा होता है जो प्रवात उत्पन्न करके भट्ठी में वायु के चूषण के नियंत्रण के साथ - 2 फ्लू गैस के निकास का भी नियंत्रण करता है।